केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

7 फरवरी 2026
शनिवार

उद्योग योजनाओं से बक्सर में रोजगार को मिलेगी नई रफ्तार 63 लाभुकों को 5 .08 करोड़ का ऋण स्वीकृत व वितरित

3

एक नजर

सफदरजंग इलाके में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। दिल्ली के सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम करीब 6 बजे उस समय हड़कंप मच गया जब सफदरजंग फ्लाईओवर के नीचे, प्राचीन शिव मंदिर के पास स्थित एनडीएमसी के गोदाम में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही एसएचओ पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर पहुंचने पर गोदाम से ऊंची लपटें उठती हुई दिखाई दीं। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए आग प्रभावित क्षेत्र से सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते मिली सूचना और त्वरित कार्रवाई के चलते किसी बड़े हादसे को टाल दिया गया। मौके पर दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौजूद हैं और आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

एक करोड़ रुपये के इनामी माओवादियों ने किया सरेंडर

कंधमाल । ओडिशा में माओवदियों के एक गुट ने पुलिस के सामने सरेंडर किया है। इस में एक दंपत्ति और 17 अन्य लोग शामिल हैं। जिस दंपत्ति ने सरेंडर किया है उस पर 55.10 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस महानिदेशक वाई बी खुराना ने बताया कि यह दंपत्ति माओवादी के राज्य समिति के सदस्य थे। निरंजन राउत उर्फ निखिल, और उनकी पत्नी रश्मिरा लेंका उर्फ इंदु ने अपने 17 साथियों के साथ सरेंडर कर दिया। इससे पहले, राउत और उनकी पत्नी ने ओडिशा सरकार को एक पत्र लिखकर सरेंडर करने की इच्छा जताई थी। दोनों राज्य समिति के सदस्य हैं, जो माओवादी संगठन में केंद्रीय समिति के बाद दूसरा सबसे बड़ा पद है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वाई बी खुराना ने कहा कि राउत, लेंका और 13 अन्य ने रायगड़ा के पुलिस अधीक्षक के सामने सरेंडर किया, जबकि पार्टी के चार अन्य सदस्यों ने कंधमाल जिले में हिंसा छोड़ दी। सरेंडर करने वाले माओवादियों ने पुलिस को कुछ हथियार और गोला-बारूद भी सौंप दिए। उन्होंने कहा कि अब राज्य में बहुत कम माओवादी बचे हैं।

होली पर घर जाने वालों के लिए बड़ी राहत : रेलवे चलाएगा 1410 स्पेशल ट्रेन

- रंगों के इस पर्व को मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने अपने घरों की ओर रवाना होंगे
- भारतीय रेल हर बड़े त्योहार के दौरान यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुचारू परिचालन सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रतिबद्ध

एजेंसी। नई दिल्ली

होली का त्योहार नजदीक आते ही देशभर में यात्रियों की आवाजाही तेज होने लगी है। रंगों के इस पर्व को मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने अपने घरों की ओर रवाना होंगे। ऐसे में रेलवे ने स्टेशन पर बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे ने खास तैयारी की है। रेलवे ने एलान किया है कि होली 2026 के दौरान रिकॉर्ड 1410 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। वहीं जरूरत पड़ने पर इन ट्रेनों की संख्या 1500 तक बढ़ाई जा सकती है। रेलवे ने साल 2025 में होली के लिए कुल 1144 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया था। रेल मंत्रालय ने अलग अलग जोन के हिसाब से होली स्पेशल ट्रेनों का संचालन तय किया है। इसमें पूर्व मध्य रेलवे सबसे आगे है। यहां से 285 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएगी। इसके बाद पश्चिम रेलवे पश्चिमी रूटों पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए 231 ट्रेन चलाए जाने की योजना है। वहीं, मध्य रेलवे की ओर से 209 होली स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, जबकि दक्षिण मध्य रेलवे कुल 160 ट्रेनों का संचालन करेगा। इसके अलावा उत्तर रेलवे 108 और उत्तर पश्चिम रेलवे 71 स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना पर काम कर रहा है। कनेक्टिविटी को और मजबूत करने के लिए उत्तर मध्य रेलवे द्वारा 66 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। वहीं पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्व तटीय रेलवे दोनों ही 62-62 ट्रेनों का संचालन करेंगे। होली के मौके को देखते हुए रेलवे ने बाकी जोन के लिए भी स्पेशल ट्रेनों का प्लान तैयार किया है। दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा 47 ट्रेनें चलाई जाएंगी। जबकि पश्चिम मध्य रेलवे ने 43 होली स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना बनाई है। दक्षिण रेलवे 39 स्पेशल ट्रेनें और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे 15 ट्रेनें चलाएगा। वहीं, क्षेत्रीय जरूरतों को देखते हुए कोंकण रेलवे ने 9 और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने 2 होली स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। रेल मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय रेल हर बड़े त्योहार के दौरान यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुचारू परिचालन सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है।

नागपुर की 55वीं महापौर बनीं भाजपा की नीता ठाकरे

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी की पार्षद नीता ठाकरे शुक्रवार को नागपुर नगर निगम की 55वीं महापौर निर्वाचित हुईं। वहीं, उनकी सहयोगी पार्षद लीला हातिबेद को डिप्टी महापौर चुना गया। नगर निगम की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, महापौर और डिप्टी महापौर के चुनाव हाथ उठाकर मतदान की प्रक्रिया के जरिए संपन्न हुए।महापौर पद के चुनाव में नीता ठाकरे को 104 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार स्नेहल ठाकरे को 36 वोट प्राप्त हुए। इस दौरान 11 पार्षदों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। एक अधिकारी ने बताया कि पीठासीन अधिकारी और नागपुर कलेक्टर विपिन इटांकर ने औपचारिक रूप से नीता ठाकरे को नागपुर नगर निगम का महापौर घोषित किया। डिप्टी महापौर के चुनाव में भी लीला हातिबेद को 104 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी विवेक निकोसे को 36 वोटों से संतोष करना पड़ा। इस चुनाव में भी 11 सदस्यों ने मतदान नहीं किया। महापौर चुने जाने के बाद नीता ठाकरे ने कहा कि उनका प्रमुख लक्ष्य मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में नागपुर के सर्वांगीण विकास को गति देना होगा।

अंकों की बीमारी से बचे और तनाव मुक्त होकर पढ़ाई करें

एक साल में हर विदेशी चीज स्वदेशी से बदलें : पीएम

- शिक्षा व स्किल एक दूसरे के जुड़वा भाई-बहन है, वह अलग नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें एडिशन में देशभर से आए बच्चों से मुलाकात की। दिल्ली स्थित पीएम आवास पर मोदी ने पहले बच्चों को असम के गमछे पहनाए और फिर उनके सवालों के जवाब दिए। पहले एपिसोड में मोदी ने बच्चों को विदेशी चीजें छोड़कर स्वदेशी चीजें अपनाने की सलाह दी। साथ ही, बच्चों से कहा कि वो 25 साल में विकसित भारत बनाने को अपना सपना बनाएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बोर्ड परीक्षाओं के शुरू होने से पहले छात्रों को एक बार फिर अंकों की बीमारी से बचने, तनाव मुक्त होकर पढ़ाई करने और जीवन को बेहतर बनाने का मंत्र दिया। इसके साथ ही छात्रों को पढ़ाई के अपने पैटर्न पर भरोसा करने की भी सलाह दी। कहा यदि कोई सलाह देता है तो उसे सुनो, समझो और ठीक लगे तो उसमें बदलाव कर सकते हो। किसी के कहने भर से कुछ भी बदलाव मत करो। मैं प्रधानमंत्री बन गया, तब भी कुछ लोग बताते है कि ऐसे करो, तो कोई कहता है वैसा करो। परीक्षा पे चर्चा के पैटर्न में भी मैं धीरे-धीरे कुछ बदलाव लाता जा रहा हूं। पीएम मोदी ने देश के अलग-अलग हिस्सों के छात्रों के साथ पिछले दिनों चर्चा की थी जो शुक्रवार को प्रसारित हुआ। पीएम मोदी की चर्चा की 5 बड़ी बातें- 9 फरवरी को जारी होगा अगला एपिसोड परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का अगला एपिसोड 9 फरवरी सुबह 10 बजे जारी होगा। इसे शिक्षा विभाग के ऑफिशियल पोर्टल पर देख सकेंगे। 27 जनवरी को जारी हुआ था ट्रेलर 27 जनवरी को परीक्षा पे चर्चा के 9वें एडिशन का वीडियो रिलीज हुआ था, जिसमें पीएम अलग-अलग लोकेशन पर बच्चों से सवाल-जवाब करते नजर आए। 'परीक्षा पे चर्चा' की शुरूआत साल 2018 में हुई परीक्षा पे चर्चा छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को परीक्षाओं, तनाव प्रबंधन और जीवन कौशल पर चर्चा करने वाला मंच है। शिक्षा मंत्रालय ने पहले एक ऑफिशियल बयान में कहा था कि पिछले कुछ सालों में यह पहल एक जन आंदोलन बन गई है, जो स्टूडेंट्स को आत्मविश्वास, पॉजिटिविटी और एक कंस्ट्रक्टिव सोच के साथ एग्जाम देने के लिए प्रोत्साहित करती है।

अंकों की बीमारी से बचें, तनाव मुक्त होकर पढ़ाई करें

पीएम मोदी से इस दौरान छात्रों ने पढ़ाई, तकनीक, परीक्षाओं की तैयारी, अपने भविष्य आदि से जुड़े सवाल किए तो पीएम ने भी छात्रों से विकसित भारत को लेकर सवाल किए व उन्हें उसे पूरा करने के लिए कुछ नए लक्ष्य भी दिए। इस दौरान तेलंगाना के छात्र वेंकटेश ने पूछा कि टेक्नालॉजी व रोबोटिक्स में मुझे बहुत रूचि है लेकिन लोग बोलते है मार्क्स ज्यादा जरूरी है, आप बताइए स्किल जरूरी है या फिर मार्क्स पीएम ने जवाब देते हुए कहा कि कि हर चीज में संतुलन होना चाहिए। एक तरफ झुकोगे तो गिरोगे। शिक्षा व स्किल एक दूसरे के जुड़वा भाई-बहन है। वह अलग नहीं है। लेकिन स्किल दो प्रकार की है, एक लाइफ स्किल और दूसरा प्रोफेशनल स्किल। जीवन में यह दोनों ही जरूरी है।

गेमिंग व तकनीक के सुरक्षित इस्तेमाल की दी सीख

पीएम ने कहा ' आपको गेमिंग में दिलचस्पी है, सिर्फ इसलिए समय बिताने के लिए इसमें शामिल न हों, क्योंकि भारत में डेटा सस्ता है। मजे के लिए ऐसा न करें। जो लोग पैसे के लिए गेमिंग में शामिल होते हैं, वे बर्बाद ही होंगे। हमें देश में जुए को बढ़ावा नहीं देना है। मैंने ऑनलाइन जुए के खिलाफ कानून बनाया है। उन्होंने छात्रों को एआई के सुरक्षित इस्तेमाल की टिप्स दी और बताया कहां कैसे इस्तेमाल करना है।

ममता राज में मदरसों का बजट 12 गुना बढ़ा

एजेंसी। कोलकता

ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल में मदरसा शिक्षा के लिए 5713 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। टीएमसी के पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने के समय यह बजट करीब 472 करोड़ रुपये था जो अब लगभग 12 गुना बढ़ चुका है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि ममता बनर्जी सरकार चुनाव में अल्पसंख्यक वोटों के लिए मुस्लिमों का तुष्टिकरण कर रही है। पार्टी ने पूछा है कि ममता बनर्जी को बताना चाहिए कि मदरसों के बजट में इतना भारी वृद्धि किस कारण की गई है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार मदरसा शिक्षकों के नाम पर मस्जिद में अजान देने वाले मुअज्जिनों का वेतन बढ़ाकर मुसलमानों का समर्थन हासिल करना चाहती है। उन्होंने कहा कि यदि मुसलमान बच्चों की शिक्षा को बेहतर करने के लिए बजटीय प्रावधान किया गया होता तो इसका स्वागत किया जाता, लेकिन सरकार ने बच्चों की शिक्षा की बजाय केवल मुस्लिम समुदाय के तुष्टिकरण पर खर्च किया गया है। ममता बनर्जी को बताना चाहिए कि वह यह बजटीय वृद्धि किस कारण कर रही है। उन्होंने कहा कि वे बताएं कि वे मुसलमानों से डर कर यह बजट बढ़ा रही हैं या इसके पीछे सरकार की कोई और राजनीतिक चाल है। त्रिवेदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेब भट्टाचार्य ने कुछ मदरसों की हरकतों पर गहरे सवाल खड़े किए थे। उन्होंने इन मदरसों के पाकिस्तान से संबंध होने के साथ-साथ कुछ मदरसों में गंभीर आपराधिक गतिविधियों के होने तक की बात कही थी। उन्होंने कहा कि, लेकिन ममता बनर्जी सरकार केवल मुसलमानों का वोट लेने के लिए राज्य की सुरक्षा को ताक पर रख रही है।

प्रशांत किशोर को सुप्रीम कोर्ट से झटका

बिहार विधानसभा चुनाव रद्द कराने वाली याचिका पर सुनवाई से इंकार

एजेंसी। नई दिल्ली

जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को रद्द करने की याचिका प्रशांत किशोर की तरफ से दायर की गई थी। इस पर आज सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से ही इनकार कर दिया। कोर्ट की तरफ से कहा गया कि चुनाव रद्द करने की मांग उचित नहीं है।अगर जनसुराज पार्टी चाहती है तो हाईकोर्ट जा सकती है। प्रशांत किशोर ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को रद्द कर दोबारा चुनाव कराने की मांग की थी। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि चुनाव के एलान के बाद मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को 10-10 हजार रुपए की सहायता राशि दी गई थी। इसे उन्होंने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताकर आरोप लगाया था, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने से इनकार कर दिया।प्रशांत किशोर की तरफ से याचिका में यह भी बताया गया कि महिलाओं को 10-10 हजार रुपए सहायता राशि देकर वोट खरीदने की कोशिश की गई। जनसुराज ने अनुरोध किया है कि चुनाव रद्द कर नए सिरे से चुनाव कराया जाए। चुनाव आयोग ऐसे निर्देश जारी करे, ताकि चुनाव से ठीक पहले जनता को लुभाने वाली योजनाओं पर रोक लग सके। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की जीत हुई थी। एनडीए के खाते में 202 सीटें गई थी। जबकि महागठबंधन को सिर्फ 35 सीटों पर ही जीत मिली थी। चुनाव में प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज का खाता तक नहीं खुल पाया था। लेकिन हार की जिम्मेदारी प्रशांत किशोर ने खुद पर ही ली थी। पीके से पहले विपक्ष के कई नेताओं ने पैसे देकर महिलाओं से वोट खरीदने का आरोप लगाया था।

चौसा में जश्न का रंग, रालोमो अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं में दिखा जोश

- **केक काटने से आगे बढ़कर संगठन विस्तार और सामाजिक संघर्ष का लिया गया संकल्प**

केटी न्यूज/चौसा

राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार की राजनीति में सामाजिक न्याय की मजबूत आवाज माने जाने वाले माननीय उपेंद्र कुशवाहा का 66वां जन्मदिन शुक्रवार को चौसा में उत्साह और एकजुटता के साथ मनाया गया। चौसा स्टेशन के समीप त्रिशूल ईंट-भट्ठे के पास आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी कार्यकताओं और स्थानीय नेताओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली।

कार्यक्रम का नेतृत्व रालोमो के पूर्व जिला उपाध्यक्ष प्रकाश कुशवाहा ने किया। इस दौरान केक काटकर जन्मदिन मनाया गया और उपेंद्र कुशवाहा के दीघार्यु, स्वस्थ जीवन और राजनीतिक सफलता की कामना की गई। लेकिन यह आयोजन केवल औपचारिक बधाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसे संगठनात्मक मजबूती और वैचारिक प्रतिबद्धता के मंच के रूप में भी देखा गया।

कार्यकताओं ने अपने संबोधन में कहा कि उपेंद्र कुशवाहा शोषित, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करते आए हैं। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक बदलाव का सबसे मजबूत हथियार बताया और कहा कि कुशवाहा के नेतृत्व में रालोमो ने हमेशा सड़क से लेकर संसद तक जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया है।

वक्ताओं ने यह भी कहा कि समान अवसर, सामाजिक न्याय और सम्मानजनक जीवन की लड़ाई में उपेंद्र कुशवाहा का योगदान केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक आंदोलन के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके विचार और संघर्ष आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सभी ने एक स्वर में संगठन को और मजबूत करने, पार्टी की नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने और आम लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर बबन कुशवाहा, बिहारी पासवान, जिला परिषद सदस्य मनोज कुशवाहा, संजय कुशवाहा, अरुण कुशवाहा, अर्जुन कुशवाहा, अमरेश कुशवाहा, प्रेमचंद्र कुशवाहा, छुठुलाल मौर्य, मनीष कुशवाहा सहित चौसा प्रखंड के कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम आपसी सौहार्द और संगठनात्मक ऊर्जा के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

जिसने जीवन बचाने को दान कर दी किडनी, उसी ने कुछ घंटों बाद दुनिया से विदा ले ली

पति के जाने का दर्द नहीं सह सकी पत्नी, तीन मासूम बच्चों को टेज्न में छोड़ लगा दी छलांग

केटी न्यूज/बक्सर

कभी-कभी जिंदगी इतनी बेरहम हो जाती है कि इंसान के सारे हौसले, सारे त्याग और सारी उम्मीदें एक ही झटके में बिखर जाती हैं। इटाढ़ी थाना क्षेत्र के खखड़ही गांव से सामने आई यह घटना सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि प्रेम, समर्पण और टूटते विश्वास की मार्मिक कहानी बन गई है। जहां पति के मौत के कुछ घंटो बाद ही पत्नी ने भी चलती टेज्न से छलांग लगा जान दे दी है। खखड़ही गांव निवासी अजीत कुमार उपाध्याय उर्फ बबलू के निधन के कुछ ही घंटों बाद उनकी पत्नी नीतू भी इस दुनिया से चली गई। उसका शव रेलवे टैज्क के किनारे पड़ा था, जबकि उसके पति के शव को घरवाले एंबुलेंस से लेकर आ रहे थे। वहीं, नीतू अपने बच्चों तथा घर के अन्य सदस्यों के साथ टेज्न से आ रही थी। माना जा रहा है कि उसने पति के निधन के दुख में टेज्न से छलांग लगा दी होगी। पति के वियोग का सदमा वह सहन नहीं कर ाकी। गुरुवार को जब बबलू ने लखनऊ में अंतिम सांस ली, उसी क्षण से नीतू जैसे भीतर से टूट चुकी थी। उसकी आंखें खामोश थीं, शब्द साथ छोड़ चुके थे।

पति के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया था

बबलू पावर प्लांट में कार्यरत थे। कुछ साल पहले बीमारी के चलते उनकी हालत बिगड़ने लगी। इलाज के दौरान जब डॉक्टरों ने किडनी प्रत्यारोपण की सलाह दी, तब नीतू ने बिना किसी हिचक के आगे बढ़कर अपनी एक किडनी दान कर दी। वह जानती थी कि यह रास्ता कठिन है, लेकिन पति का जीवन उसके लिए सबसे बड़ा था। ऑपरेशन सफल रहा, परिवार में उम्मीद की लौ जली, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। कुछ समय बाद बबलू की तबीयत फिर बिगड़ी और गुरुवार को लखनऊ में उनका निधन हो गया।

तीन बच्चों की मां, टूट चुकी थी भीतर से

नीतू अपने पीछे तीन मासूम बच्चों को छोड़ गई, दो बेटियां और एक छोटा बेटा। पति के निधन के बाद वह पूरी तरह शांत थी। परिवार के लोग उसे संभालने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि वह भीतर ही भीतर कितना अकेली हो चुकी है। शुक्रवार की सुबह जब उसके निधन की पुष्टि हुई, तो पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जिस महिला ने अपने पति के लिए जीवन का सबसे बड़ा त्याग किया, वही अब बच्चों की दुनिया से हमेशा के लिए दूर हो चुकी थी।

गांव और परिजनों में मातम

इस घटना से खखड़ही गांव में शोक की लहर है। हर आंख नम है, हर जुबान पर एक ही सवाल क्या त्याग और प्रेम का यही अंत होना था। नीतू और बबलू की कहानी अब गांव में एक ऐसी याद बन गई है, जिसे कोई भी भूल नहीं पाएगा। यह सिर्फ दो जिंदगियों के जाने की खबर नहीं, बल्कि उस दर्द की कहानी है, जिसे शब्दों में समेट पाना मुश्किल है।

एक नजर

चौसा, रामगढ़ मार्ग पर आवारा कुत्तों की वजह से हादसा, बैंककर्मी की जान बची हेलमेट से

चौसा। चौसा, रामगढ़ मुख्य पथ पर शुक्रवार की दोपहर एक बार फिर सड़क पर आवारा पशुओं की समस्या गंभीर हादसे का कारण बन गई। राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चौसा के सिकरौल गांव के समीप अचानक सड़क पर आए एक कुत्ते से बचने के प्रयास में बाइक सवार युवक का संतुलन बिगड़ गया और वह तेज रफ्तार में सड़क पर गिर पड़ा। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिससे कुछ देर के लिए मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल को सड़क से सुरक्षित हटाया। ग्रामीणों की तत्परता से तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी गई। एंबुलेंस के पहुंचते ही घायल को प्राथमिक उपचार के लिए चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद युवक की स्थिति को गंभीर बताते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया। घायल युवक की पहचान कैमूर जिले के पजराव गांव निवासी धन्नजय सिंह के 36 वर्षीय पुत्र मिमोह राज सिंह के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि मिमोह राज सिंह एक बैंक में कार्यरत हैं और शुक्रवार को बाइक से अपने गांव से बक्सर जिला मुख्यालय स्थित कार्यालय जा रहे थे। इसी दौरान सिकरौल गांव के पास अचानक सड़क पर कुत्ता आ गया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना काफी तेज थी, लेकिन राहत की बात यह रही कि युवक ने हेलमेट पहन रखा था। हेलमेट की वजह से सिर में गंभीर चोट नहीं आई और एक बड़ी अनहोनी टल गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर आवारा कुत्तों और मवेशियों का अचानक सड़क पर आ जाना आम बात हो गई है, जिससे आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। वहीं, राजपुर थानाध्यक्ष श्री निवास ने बताया कि फिलहाल घटना की आधिकारिक सूचना थाने को प्राप्त नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क पर आवारा पशुओं की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

कांग्रेस की बढ़ती ताकत से विपक्ष में हलचल : डॉ. मनोज पांडेय

बक्सर। बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे के सशक्त और निर्णायक नेतृत्व में जिले में कांग्रेस पार्टी की लोकप्रियता लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों और संगठनात्मक मजबूती से प्रभावित होकर विभिन्न दलों के लोग, विशेषकर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व नेता एवं कार्यकर्ता, बड़ी संख्या में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। इससे जिले की राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों, झूठे वादों और अवसरवादी राजनीति से जनता पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष ने जनता की उम्मीदों के साथ छल किया है, जिसके कारण अब लोग कांग्रेस की विचारधारा को ही देश और समाज के भविष्य के रूप में देख रहे हैं। प्रतिदिन कांग्रेस कार्यालय में सदस्यता लेने वालों की बढ़ती संख्या इस बात का स्पष्ट संकेत है कि बक्सर की जनता बदलाव के लिए तैयार है। इसी कड़ी में आयोजित सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम के दौरान जगदीश प्रसाद ने अपने सैकड़ों समर्थकों और कार्यकताओं के साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्यता ली। इस अवसर को कांग्रेस के लिए ऐतिहासिक बताते हुए डॉ. पांडे ने कहा कि अनुभवी सामाजिक कार्यकताओं के पार्टी से जुड़ने से संगठन को नई मजबूती मिलेगी और जनहित से जुड़े मुद्दों को और प्रभावी ढंग से उठाया जा सकेगा। डॉ. पांडे ने दो टूक कहा कि आने वाले समय में बक्सर जिला कांग्रेस भाजपा के किले को ध्वस्त कर पार्टी का परचम लहराएगा। उन्होंने कहा कि जनता अब खोखले नारों और दिखावटी विकास से नहीं, बल्कि सच्चे संघर्ष, पारदर्शिता और जनसेवा की राजनीति से जुड़ना चाहती है। यह सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें कांग्रेस के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, प्रखंड एवं मंडल स्तर के नेता तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस की नीतियों और आगामी रणनीतियों पर भी चर्चा की गई।

हिंदू जागरण के उद्देश्य से कोरान सराय में 8 फरवरी को होगा भव्य हिंदू सम्मेलन

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड अंतर्गत कोरान सराय मध्य विद्यालय के प्रांगण में आगामी 8 फरवरी (रविवार) को हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन दोपहर 12 बजे से संध्या 3 बजे तक चलेगा। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू जागरण की दिशा को नई ऊर्जा एवं चेतना प्रदान करना तथा सनातन संस्कृति, सनातन धर्म और सामाजिक एकता को सशक्त बनाना है। इस आशय की जानकारी आयोजक मंडल के प्रमुख हृदयानंद पांडे ने संयुक्त रूप से पूर्व शिक्षक सत्यदेव मिश्रा, राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के दक्षिण बिहार प्रांत के संगठन मंत्री संतोष दुबे, सुमित कुमार शर्मा एवं गोविंदर तिवारी के साथ दी। आयोजकों ने बताया कि यह सम्मेलन सर्व हिंदू समाज के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें हिंदू समाज को एकजुट कर सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना का विस्तार किया जाएगा। हिंदू सम्मेलन के दौरान विभिन्न वक्ताओं द्वारा सनातन धर्म, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों पर प्रेरक उद्बोधन दिए जाएंगे। साथ ही भजन-कीर्तन एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे कार्यक्रम को आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप मिलेगा। आयोजकों के अनुसार, इस सम्मेलन के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा और हिंदू समाज को संगठित एवं जागरूक बनाने की दिशा में सार्थक पहल की जाएगी। आयोजक मंडल ने यह भी बताया कि इस कार्यक्रम में बक्सर जिला सहित आसपास के क्षेत्रों से कई प्रमुख धमार्चार्यों के आगमन की पूरी संभावना है, जिससे सम्मेलन की गरिमा और अधिक बढ़ेगी। आयोजकों ने समस्त सकल हिंदू समाज से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस हिंदू सम्मेलन को सफल बनाएं और सनातन धर्म को सशक्त एवं मजबूत बनाने के इस प्रयास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2026 : बक्सर में शांतिपूर्ण रही अंग्रेजी व हिन्दी की परीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

इंटरमीडिएट वार्षिक सैद्धांतिक परीक्षा 2026 के तहत बक्सर जिले में शुक्रवार को प्रथम एवं द्वितीय पाली में आयोजित परीक्षाएं पूरी तरह शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुईं। जिला नियंत्रण कक्ष से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार सभी परीक्षा केंद्रों पर कदाचारमुक्त परीक्षा सुनिश्चित की गई और कहीं से भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। प्रथम पाली में अंग्रेजी विषय की परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कुल 9,764 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 9,644 परीक्षार्थी परीक्षा में उपस्थित हुए, जबकि 120 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस पाली में किसी भी परीक्षार्थी को निष्कासित नहीं किया गया, जो प्रशासनिक सतर्कता और परीक्षा व्यवस्था की सफलता को दशार्ता है। वहीं द्वितीय पाली में हिन्दी विषय की परीक्षा संपन्न हुई। इस पाली में कुल 14,312 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होने के लिए निर्धारित थे, जिनमें से 14,143 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। कुल 169 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। इस पाली में भी किसी परीक्षार्थी के निष्कासन की कोई घटना सामने नहीं आई। जिला नियंत्रण कक्ष के अनुसार सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस बल एवं केंद्राधीक्षक की तैनाती की गई थी। परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 163 (पूर्व में 144) लागू रही, जिससे असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण रखा जा सका। साथ ही सीसीटीवी कैमरों और उड़नदस्ता दलों के माध्यम से सतत निगरानी की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि परीक्षार्थियों को समय पर प्रवेश, प्रश्न पत्र वितरण और उत्तर पुस्तिकाओं के संकलन की प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न कराई गई। जिला प्रशासन ने सफल एवं शांतिपूर्ण परीक्षा आयोजन के लिए सभी संबंधित अधिकारियों, शिक्षकों, पुलिसकर्मियों और केंद्र कर्मियों के सहयोग की सराहना की है।

चौगाईं में जीविका का रोजगार सह मार्गदर्शन मेला, 256 युवाओं का हुआ प्राथमिक चयन

- **14 कंपनियों की भागीदारी, 875 युवाओं ने कराया पंजीकरण, नियुक्ति पत्र भी वितरित**

केटी न्यूज/चौगाईं

प्रखंड कार्यालय चौगाईं के समीप खेल मैदान परिसर में शुक्रवार को जीविका के तत्वावधान में रोजगार सह मार्गदर्शन मेले का आयोजन किया गया। इस मेले ने जिले के युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी साहिला, अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव राकेश कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक जीविका बक्सर तथा जीविका दीदियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। रोजगार मेले में कुल 14 प्रतिष्ठित कंपनियों के स्टाल लगाए गए। इस दौरान 875 युवाओं ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 256 युवाओं का प्राथमिक रूप से चयन किया गया। वहीं 210 युवाओं ने रोजगार के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया। चयनित युवाओं को मौके पर ही नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि जीविका ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की मजबूत कड़ी बन चुकी है। जीविका के माध्यम से महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, जिससे वे स्वावलंबी बन रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं में जागरूकता बढ़ने से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उन तक पहुंच रहा है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में जीविका का प्रयास सराहनीय है और युवाओं को इस तरह के अवसरों का पूरा लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत निःशुल्क प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर लेने की अपील की। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि रोजगार मेला युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप अवसर प्रदान करने का सशक्त मंच है। एक ही स्थान पर प्रशिक्षण, रोजगार, स्वरोजगार और उद्यम से जुड़ी जानकारियां मिलना युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने युवाओं से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, सवाल पूछने और मेहनत से पीछे न हटने का आह्वान किया।

जिला परियोजना प्रबंधक जीविका बक्सर ने बताया कि जीविका से जुड़े परिवारों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बेरोजगार युवक-युवतियों को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार से जोड़ना जीविका का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि यह मेला आत्मनिर्भर बिहार और सशक्त ग्रामीण समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रोजगार प्रबंधक जीविका ने जानकारी दी कि मेले में टाटा मोटर्स, वरुण बेवरेजेज, उत्कर्ष लघु वित्त बैंक, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्लिंकिट, कोका-कोला, सुरक्षा सेवा एजेंसियां, सूचना प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास संस्थानों सहित कुल 14 कंपनियों ने भाग लिया। जीविका के माध्यम से सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर ग्रामीण युवा और बेटियां भी किसी से कम नहीं हैं, यह मेला उसी का प्रमाण है।

Mob: 9122226720
कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, छेलवानी मोड़, डुमराँव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरुण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरुवार

चौसा में विचारों की विरासत को किया गया नमन, राजेन्द्र प्रसाद सिंह की पुण्यतिथि बनी सामाजिक संकल्प का मंच

- किनकनारायनपुर गांव में श्रद्धांजलि सभा, शोषित-वंचितों के संघर्ष को आगे बढ़ाने का लिया गया संकल्प

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड के कनकनारायनपुर गांव में रविवार को वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता स्वर्गीय राजेन्द्र प्रसाद सिंह की सातवीं पुण्यतिथि केवल एक स्मृति कार्यक्रम नहीं, बल्कि उनके विचारों और संघर्षों को दोहराने का जीवंत मंच बन गई। गांव में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकताओं और वामपंथी विचारधारा से जुड़े लोगों ने भाग लेकर उनके सामाजिक योगदान को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकाश कुशवाहा ने की। सभा की शुरूआत स्व. सिंह के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने अपना पूरा जीवन किसानों, मजदूरों और समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। वे ऐसे नेता थे जिन्होंने सत्ता या सुविधा की राजनीति से दूर रहकर हमेशा आम लोगों की आवाज को प्राथमिकता दी।

वक्ताओं ने कहा कि स्व. सिंह का जीवन सादगी, ईमानदारी और वैचारिक दृढ़ता का उदाहरण था। उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और जन आंदोलनों के माध्यम से सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूती दी। क्षेत्र में कम्युनिस्ट आंदोलन को संगठित करने और गांव-गांव तक राजनीतिक चेतना पहुंचाने में उनकी भूमिका को आज भी लोग सम्मान के साथ याद करते हैं। अध्यक्षीय संबोधन में प्रकाश कुशवाहा ने कहा कि स्व. सिंह के विचार आज के दौर में और भी प्रासंगिक हो गए हैं, जब समाज में असमानता और शोषण की चुनौतियां लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राजेन्द्र प्रसाद सिंह के संघर्षों से प्रेरणा लेकर सामाजिक बदलाव की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं।

सभा में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी उनके जनहितकारी कार्यों, आंदोलनों और संगठनात्मक क्षमता को याद किया। श्रद्धांजलि सभा के अंत में सभी ने सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष को आगे बढ़ाने का सामूहिक संकल्प लिया।

इस अवसर पर बबन सिंह कुशवाहा, बिहारी पासवान, छट्ठूलाल मौर्या, प्रेमचंद्र कुशवाहा, अमरेश कुशवाहा, जिला परिषद सदस्य मनोज कुशवाहा, संजय कुशवाहा, अरुण कुशवाहा, अर्जुन कुशवाहा, मनीष कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में वामपंथी विचारधारा से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ऋण स्वीकृति एवं वितरण शिविर, बैंकर्स को अनावश्यक कागजी प्रक्रिया से बचने का निर्देश

उद्योग योजनाओं से बक्सर में रोजगार को मिलेगी नई रफ्तार

63 लाभुकों को 5.08 करोड़ का ऋण स्वीकृत व वितरित

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में उद्योग एवं रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में उद्योग विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण स्वीकृति एवं वितरण शिविर का आयोजन समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में किया गया। यह शिविर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम-2, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया।

सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने पर जोर

शिविर को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारी एवं बैंक प्रतिनिधि यह सुनिश्चित करें कि अधिक से अधिक पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। इससे न केवल स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि जिले में रोजगार सृजन के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे और लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। उन्होंने लाभुक उद्यमियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बक्सर जिला अपनी भौगोलिक स्थिति तथा सड़क और रेल मार्ग की बेहतर सुविधाओं के कारण उद्योग एवं व्यापार की दृष्टि से अपार संभावनाओं वाला जिला है।

उद्यमिता और नवाचार को मिलेगा प्रोत्साहन

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी लोग मिलकर समेकित प्रयास करें, ताकि बक्सर जिला को उद्योग के क्षेत्र में देश के अग्रणी जिलों में शामिल किया जा सके। उन्होंने उद्यमियों से अपील की कि वे अपने व्यवसाय के माध्यम से न केवल स्वयं आगे बढ़ें, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित करें और जिले व राज्य की आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति में भागीदार बनें। उन्होंने यह भी कहा कि जिन उद्यमियों के पास कोई नया विचार या नवाचार है, वे किसी भी समय जिला उद्योग केंद्र से संपर्क कर सकते हैं और नव उद्यम प्रोत्साहन योजना का लाभ उठा सकते हैं। वर्तमान समय में शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी उद्योगों की स्थापना हो रही है, जो जिले के लिए सकारात्मक संकेत है।

बैंकर्स को अनावश्यक कागजी कार्रवाई से बचने का निर्देश

जिलाधिकारी ने सभी बैंक प्रतिनिधियों एवं जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक को निर्देश दिया कि उद्यमियों को अनावश्यक कागजी प्रक्रिया में परेशान न किया जाए। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक रूप से बैठक आयोजित कर उसी बैठक में उद्यमियों की समस्याओं का समाधान करते हुए ऋण स्वीकृति एवं वितरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी योजनाओं के अंतर्गत 15 मार्च से पूर्व शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का भी निर्देश दिया गया।

विश्वकर्मा योजना से शिल्पकारों को संबल

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत नाव निमार्ता, लोहार, हथियार निमार्ता, मूर्तिकार, खिलौना निमार्ता, माला निमार्ता तथा मछली पकड़ने का जाल बनाने वाले शिल्पकारों को शामिल किया गया है। इस योजना के तहत प्रशिक्षण के साथ-साथ दो चरणों में क्रमशः एक लाख रुपये एवं दो लाख रुपये का ऋण प्रदान किया जाता है।

63 लाभुकों को मिला लाभ

ऋण वितरण शिविर में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत 25 लाभुकों को ऋण स्वीकृति पत्र, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत 24 लाभुकों को ऋण स्वीकृति तथा 13 लाभुकों को ऋण वितरण पत्र, जबकि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत एक लाभुक को ऋण वितरण पत्र जिलाधिकारी द्वारा प्रदान किया गया। इस प्रकार कुल 63 लाभुकों को 5.08 करोड़ रुपये की राशि का ऋण स्वीकृत एवं वितरित किया गया।

कार्यक्रम में रहे अधिकारी व बैंक प्रतिनिधि उपस्थित

इस अवसर पर अपर समाहर्ता बक्सर, विशेष कार्य पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता (बैंकिंग), उद्योग निदेशालय बिहार पटना के सहायक उद्योग निदेशक, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक, अग्रणी बैंक प्रबंधक, विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक, शाखा प्रबंधक एवं योजनाओं के लाभुक उपस्थित रहे।

योजनाओं के तहत ऋण एवं अनुदान का विवरण

जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा क्षेत्र में अधिकतम 20 लाख रुपये तथा विनिर्माण क्षेत्र में अधिकतम 50 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना में ग्रामीण क्षेत्र के लाभुकों को 25 से 35 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्र के लाभुकों को 15 से 25 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम-2 के अंतर्गत उन आवेदकों को लाभ दिया जाता है, जिन्होंने पूर्व में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम या मुद्रा ऋण योजना के तहत ऋण लिया हो और कम से कम तीन वर्षों से सफलतापूर्वक इकाई का संचालन कर रहे हों। ऐसे उद्यमियों को 15 प्रतिशत अनुदान की दर से एक करोड़ रुपये तक का ऋण प्रदान किया जाता है।

एक नजर

सीएसआईआर फ्लोरीकल्चर मिशन के तहत जी.बी.ओ. प्लस टू उच्च विद्यालय बंशवर में नव निर्मित उद्यान का उद्घाटन

ब्रह्मपुर। ब्रहमपुर प्रखंड अंतर्गत जी.बी.ओ. प्लस टू उच्च विद्यालय बंशवर के प्रांगण में सीएसआईआर फ्लोरीकल्चर मिशन के तहत नव निर्मित उद्यान का उद्घाटन शुक्रवार को विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक जगदीश चंद्र ओझा द्वारा किया गया। यह उद्यान सीएसआईआर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विक्रमा सिंह एवं राम निहोर पटेल के कुशल मार्गदर्शन एवं सतत देखरेख में विकसित किया गया है। उद्यान निर्माण का मुख्य उद्देश्य विद्यालय के छात्र-छात्राओं में पौधरोपण एवं पौध संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा उन्हें प्रकृति से भावनात्मक रूप से जोड़ना है, ताकि पर्यावरण संरक्षण की भावना उनके जीवन का अभिन्न अंग बन सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, दक्षिण बिहार के जनसंवाद प्रमुख शैलेश कुमार ओझा ने वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण की बढ़ती आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण के इस दौर में पौधों का संरक्षण मानव जीवन के अस्तित्व से सीधे जुड़ा हुआ है। पेड़-पौधे केवल धरती का श्रृंगार नहीं, बल्कि हमारी अनिवार्य आवश्यकता और सामूहिक जिम्मेदारी हैं। उद्घाटनकर्ता जगदीश चंद्र ओझा ने विद्यालय के ऐतिहासिक विकास क्रम को याद करते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे उद्यान न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विक्रमा सिंह ने सीएसआईआर फ्लोरीकल्चर मिशन की विस्तृत जानकारी देते हुए इसके उद्देश्य, उपयोगिता एवं भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने विद्यालय परिसर में औषधीय उद्यान विकसित करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रत्युष चंद्र ओझा, शिक्षाविद् चतुर्भुज प्रसाद, ग्राम पंचायत के सरपंच काशी यादव सहित शिक्षकगण एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई चेतना का संचार किया।

मच्छरों के प्रकोप बढ़ने से नगरवासी परेशान, बीमार पड़ने लगे लोग

डुमरांव। नगर परिषद की लापरवाही के कारण नगरवासी विभिन्न प्रकार की बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। शहर की मुख्य सड़क, संपर्क सड़क के साथ जुड़ी गलियां जलजमाव की समस्या बनी हुई है। जलजमाव होने से वायु प्रदूषण बढ़ गया है। इतना ही नहीं इन जमा गंदे पानी के कारण मच्छरों का भी प्रकोप बढ़ गया है। इन मच्छरों के काटने से लोग बीमार पड़ रहे हैं। बीमार पड़ने वालों में बच्चे और बुजुर्ग की संख्या सबसे ज्यादा है। नगर का स्टेशन रोड जलजमाव से अधिक प्रभावित है, इसका मुख्य कारण नाली का नहीं होना है। इस रोड में नया थाना से लेकर पश्चिमी रेलवे गुमटी तक नाली का अभाव है। घरों का और बरसात का पानी रोड कटिंग में जमा होता है। महीनों से जमा पानी से प्रदूषण फैलता है, जिससे बीमारी के चपेट में लोग आ जा रहे हैं। जमा पानी मच्छरों की संख्या बढ़ाने में काफी कारगर साबित हो रहा है, जो नगरवासियों के लिये काफी कष्टदायक है। सालों से इस समस्या से नप नगरवासियों को नहीं निकाल पाया है। गलियों व रोड पर जमा पानी के साथ ही घरों के बाहर इसे रोकने के लिये दवा का छिड़काव भी नहीं कर रहा है। इस संबंध में जब ईओ राहुलधर दूबे से बात की गई तो उन्होंने कहा की सफाई एजेंसी को इसके लिये आदेशित किया गया है। इसकी जांच के लिये कर्मी को लगाया जाएगा, उसके रिपोर्ट पर अग्रेत्तर कार्रवाई होगी।

किसान सलाहकारों को मिला नियुक्ति पत्र कृषि व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

बक्सर। जिले में कृषि क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शुक्रवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में किसान सलाहकार नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी साहिला ने की। इस अवसर पर चयनित किसान सलाहकारों को औपचारिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। जिला कृषि विभाग के अंतर्गत बक्सर जिले में किसान सलाहकार के कुल 16 पद रिक्त थे। निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्राप्त आवेदनों की जांच एवं मूल्यांकन के बाद 13 योग्य अभ्यर्थियों का चयन किसान सलाहकार पद के लिए किया गया। जिलाधिकारी ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। इस मौके पर जिलाधिकारी साहिला ने कहा कि किसान सलाहकार किसानों और सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। उनकी भूमिका किसानों को नवीन कृषि तकनीक, उन्नत बीज, फसल विविधीकरण, मृदा स्वास्थ्य, सिंचाई एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नव-नियुक्त किसान सलाहकार अपने कर्तव्यों का ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए किसानों की आय बढ़ाने और कृषि उत्पादन में सुधार लाने में सक्रिय योगदान देंगे। कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। चयनित किसान सलाहकारों ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद प्रसन्नता व्यक्त की और किसानों की सेवा के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

यूपी सीमा से बिहार में घुसते ही दो तस्कर गिरफ्तार, शराब की खेप बरामद

केटी न्यूज/राजपुर

बिहार में पूर्ण शराबबंदी को धता बताने वाले शराब तस्करों पर राजपुर पुलिस ने एक बार फिर करारा प्रहार किया है। थाना क्षेत्र के चौसा-कोचस मुख्य मार्ग पर राजपुर बाजार के समीप पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो शराब तस्करों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान समहुता गांव निवासी राहुल कुमार, पिता भुनेश्वर राम तथा राजेश कुमार, पिता विनोद चौधरी के रूप में की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों तस्कर उत्तर प्रदेश की सीमा से शराब की खेप लेकर बाइक से बिहार में प्रवेश कर

रहे थे। इसी दौरान राजपुर पुलिस को उनकी गतिविधियों की गुप्त सूचना मिली, जिसके बाद तत्काल मुख्य मार्ग पर सघन वाहन जांच अभियान शुरू कर दिया गया।जैसे ही पुलिस टीम ने संदिग्ध बाइक को रोकने का इशारा किया, तस्करों ने मौके से फरार होने का प्रयास किया। हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के आगे उनकी एक न चली और कुछ ही दूरी पर दोनों को दबोच लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से विभिन्न ब्रांडों की कुल 36 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। शराब के साथ-साथ धंधे में प्रयुक्त एक पल्सर मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। थाना अध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि शराब माफियाओं के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उत्तर प्रदेश से सटे सीमावर्ती इलाकों पर विशेष नजर रखी जा रही है, ताकि शराब की तस्करी पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि चौकीदारों और स्थानीय लोगों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। किसी भी गांव या सड़क पर संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि नजर आने पर तुरंत वरीय पदाधिकारी या स्थानीय थाने को सूचना देने का निर्देश दिया गया है। राजपुर पुलिस की इस कार्रवाई को शराब तस्करी के खिलाफ एक मजबूत संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि कानून से खेलने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

बिहार बजट 2026 विकास का नया रोडमैप, आम जनता को मिलेगा सीधा लाभ : रवि उज्ज्वल कुशवाहा

- जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा बोले शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को मिली नई रफ्तार

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026 का बजट राज्य के समग्र विकास की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। जनता दल यूनाइटेड डुमरांव के पूर्व विधानसभा प्रभारी रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने इस बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह बजट न केवल राज्य की आर्थिक मजबूती को दशार्ता है, बल्कि आम लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का ठोस आधार भी तैयार करता है। रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार लगातार प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है और नया बजट उसी विकास यात्रा को और गति देने वाला है। उन्होंने बताया कि इस बार सरकार ने 3 लाख 47 हजार 589 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में करीब 30 हजार करोड़ रुपये अधिक है। यह वृद्धि राज्य की बढ़ती आर्थिक क्षमता और विकासोन्मुख सोच को साफ तौर पर दशार्ती है। उन्होंने कहा कि बजट का फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, रोजगार सृजन और सामाजिक न्याय जैसे अहम क्षेत्रों पर है। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में विकास को नई दिशा मिलेगी। खासकर युवाओं के लिए

रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। रवि उज्ज्वल ने कहा कि यह बजट ह्यज्ञान, ईमान, विज्ञान, अरमान और सम्मानह्ल के मूल मंत्र पर आधारित है, जो बिहार को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि बिहार की आर्थिक विकास दर लगातार मजबूत हो रही है और आने वाले वर्ष में इसके 14.9 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने बताया कि सात निश्चय योजनाओं के तहत बिहार को विकसित राज्य बनाने का जो लक्ष्य तय किया गया है, यह बजट उसे साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने विश्वास जताया कि नई सरकार पहले से अधिक ऊर्जा और संकल्प के साथ विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। अंत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा और इस बजट का सीधा लाभ राज्य की आम जनता तक पहुंचेगा।

जिलाधिकारी साहिला ने किया जनसुनवाई 53 आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में आम जनता से मुलाकात सह जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रखंडों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। जनसुनवाई के क्रम में कुल 53 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें भूमि विवाद, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आवास, आपूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों से संबंधित मामले शामिल थे। जिलाधिकारी ने एक-एक कर सभी आवेदनों की समीक्षा की और संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य

आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन मामलों में त्वरित कार्रवाई संभव थी, उनमें तत्काल पहल करने के निर्देश दिए गए, जबकि शेष मामलों में जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। जिलाधिकारी साहिला ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि आवेदकों को कार्रवाई की स्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करें, ताकि उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि प्रशासन आम जनता के प्रति जवाबदेह है और जनहित से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना चाहिए। जनसुनवाई के दौरान संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को निर्धारित माध्यमों से प्रशासन के संज्ञान में लाएं, ताकि उनका विधिसम्मत समाधान किया जा सके।

प्राकृतिक खेती विषय पर किसानों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

- एसडीएम ने प्रशिक्षणार्थियों के बीच वितरण किया प्रमाण पत्र
- इंदु तपेश्वर महाविद्यालय की 25 छात्राओं ने लिया भाग

केटी न्यूज /रोहतास

शुक्रवार को कृषि जागरूकता को लेकर किसानों के बीच पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम वैज्ञानिकों के नेतृत्व में हुई संपन्न। ज्ञात हो कि दिनांक 2 फरवरी से कृषि विज्ञान केंद्र,रोहतास के नेतृत्व में भोजपुर जिला के कृषकों के लिए आयोजित प्राकृतिक खेती ज्ञान विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 फरवरी को संपन्न हो गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भोजपुर जिला के विभिन्न प्रखंडों से चयनित सभी 30 कृषकों ने भाग लिया। जिसके अंतर्गत आरा सदर, जगदीशपुर, शाहपुर, पीरो, तरारी, संदेश, अगिआंव प्रखंडों के किसान इसमें सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रासायनिक खेती पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से कम लागत में टिकाऊ एवं लाभकारी खेती को बढ़ावा देना था। शिविर समापन के अंतिम दिन मुख्य अतिथि बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार के द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण के साथ किया गया। उक्त मौके पर एसडीएम ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि में नई तकनीक के साथ नई फसलों की खेती निश्चित रूप से किसानों के लिए लाभदायक साबित होते हुए उनके आय वृद्धि को भी अग्रसर कर रही है। जो वर्तमान में किसान ड्रैगन फ्रूट की खेती कर अच्छी कमाई कर रहें। जबकि कृषि जागरूकता चर्चा करते हुए कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि किसान धान गेहूं की जगह नई फसलों को भी अपना अहम खेती बनाए। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को अपने खेतों में अपनाते हुए अन्य किसानों को भी प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान आर.के जलज ने कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की आवश्यकता है। जिससे न केवल मृदा स्वास्थ्य में सुधार होता है बल्कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय में भी वृद्धि संभव है। उन्होंने बताया कि गो-आधारित इनपुट, जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत एवं प्राकृतिक कीट-रोग प्रबंधन तकनीकों के माध्यम से खेती को अधिक टिकाऊ बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित मृदा वैज्ञानिक डॉ. रामाकांत सिंह ने बताया कि भोजपुर एवं शाहाबाद क्षेत्र की मिट्टी में जैविक कार्बन की मात्रा घट रही है,जिसे प्राकृतिक खेती के रूप में पुनः बढ़ाया जा सकता है। प्राकृतिक तरीकों से कीट-रोग नियंत्रण,नीम आधारित घोल, दशपर्णी अर्क एवं जैविक उपायों की विस्तार से जानकारी दी। उद्यान वैज्ञानिक डॉ.रतन कुमार ने किसानों को फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती के अंतर्गत धान, गेहूं, दलहन, तिलहन एवं सब्जियों की खेती की तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया। साथ ही फसल अवशेष प्रबंधन एवं जल संरक्षण के महत्व पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में बिक्रमगंज इंदु तपेश्वर महिला महाविद्यालय के 25 छात्राओं को भी गोबर से बनी कलाकृतियां विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को एसडीएम प्रभात कुमार ने प्रमाण पत्र प्रदान किय। प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार, सहायक प्राध्यापक डॉ.अरविंद पांडे, डॉ. राकेश कुमार,कृषि विज्ञान केंद्र के अन्य कर्मी प्रवीण पटेल, एच.पी शर्मा, सुबेश कुमार, राकेश कुमार, नवीन कुमार सहित सैकड़ों किसानों ने भी भाग लिया।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार महिला सहित ऑटो चालक की दर्दनाक मौत

- सड़क पर बिखरा बालू बना दुर्घटना का कारण
- लोगों ने कहा..प्रशासन की लापरवाही से हुई मौत

केटी न्यूज /रोहतास

जिला क्षेत्र के डिहरी अनुमंडल अंतर्गत दो विभिन्न थाना क्षेत्रों में महज 2 घंटे में सड़क दुघर्टना में बाइक सवार एक महिला सहित एक ऑटो चालक की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों सड़क दुघर्टनाओ को लेकर लोगों में आक्रोश था,और लोग प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त कर रहे थे। पहली घटना डिहरी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तेंदुआ बोरिंग के समीप की बताई जाती है। जहां अज्ञात ट्रक कि टक्कर से सासाराम से डेहरी आ रहे एक आटो चालक की मौके पर मौत हो गई। बताया जाता है, कि मृतक 47 वर्षीय बाबू पासवान सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मदैनी गांव का निवासी है, जो खाली आटो रिक्शा लेकर सासाराम से डेहरी आ रहा था। उसी दौरान तेंदुआ बोरिंग के समीप अज्ञात ट्रक की टक्कर से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर भागने में सफल रहा। स्थानीय लोगों ने मृतक के पॉकेट में रहे मोबाइल से परिजनों को सूचना दी। तत्पश्चात परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। थानाध्यक्ष नितेश कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों के लिखित ब्यान के आधार पर अग्रतर कारवाई कि जाएगी। दूसरी घटना डिहरी नगर थाना क्षेत्र के तारबंगला चौक की बताई जाती है। जहां शुक्रवार की दोपहर सड़क पर गिरे बालू की मोटी परत से फिसल कर एक बाइक सवार महिला गिर पड़ी। जहां पीछे से आ रहे एक बालू लदे हाइवा ने महिला को कुचल दिया। जिससे घटनास्थल पर महिला की मौत हो गई। हालांकि इस घटना में बाइक सवार मृतक महिला की पुत्री व भाई बाल बाल बच गए। घटना के बाद एनएच टू सी पर काफी देर तक वहां अफरा-तफरी मची रही।स्थानीय लोगों का आक्रोश भड़क उठा और लोगों ने जमकर हंगामा किया। सड़क जाम की सूचना पाकर डेहरी नगर थानाध्यक्ष शिवेन्द्र कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को समझाने-बुझाने में लगे। पुलिस शिवेन्द्र कुमार ने बताया कि महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों की लिखित बयान के बाद अग्रतर कारवाई की जाएगी।

वीकेएसयू में समाधान समिति बैठक का आयोजन

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में संबंधन समिति की बैठक हुई। भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर जिले से प्राप्त जांच समिति की रिपोर्ट की स्कूटनी हुई। कॉलेज इंस्पेक्टर ने बताया कि सत्र 2026-30 के लिए 32 डिग्री कॉलेजों ने नव संबंधन, अस्थायी संबंधन एवं दीर्घीकरण के लिए आवेदन किया है। जिसकी जांच रिपोर्ट धीरे-धीरे विश्वविद्यालय को प्राप्त हो रही है। गुरुवार को 10 कॉलेजों के जांच रिपोर्ट की स्कूटनी हुई। उन्होंने ने बताया कि बीएड पाठ्यक्रम के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र-एनओसी हेतु चार कॉलेजों ने आवेदन दिया है। इसके अलावा बीसीए एवं बीबीए की पढ़ाई के लिए तीन कॉलेजों तथा लाइब्रेरी साइंस पाठ्यक्रम के लिए चार कॉलेजों ने आवेदन किया है। संबंधन समिति के उपरांत एकेडमिक काउंसिल एवं सिंडिकेट की बैठक होगी, जिसमें सभी मामलों को रखा जाएगा। इसके बाद प्रस्ताव को अंतिम अनुमोदन के लिए सीनेट में प्रस्तुत किया जाएगा।

समाजशास्त्र विषय पर कार्यशाला का आयोजन

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग में प्रो. डॉ. अवध बिहारी सिंह,विभागाध्यक्ष एवं समाज विज्ञान के संकायाध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्मोहन एवं व्यक्तिगत विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मनोवैज्ञानिक अजित मिश्रा न सम्मोहन विधियों के परिचय देते है।एवं विधियों का परीक्षण किया। अजित मिश्रा ने सम्मोहन के प्रयोग से इन्होंने एम्नेशिया, आइडेन्टिटी चेंज, हैलोसिनेशन, कैतलेप्सि का प्रदर्शन किया कि कैसे वैज्ञानिक तरीके से व्यक्ति के मन एवं व्यक्तित्व को बदल जा सकता है।इस कार्यक्रम में मंच संचालन शोध छात्रा सर्वज्ञा श्री ने किया तथा इस अवसर पर शिक्षक डॉ मनीष कुमार, डॉ, रवि शंकर सिंह तथा डॉ. रीना कुमारी के अतिरिक्त शोध छात्र एवं शोध छात्रा तथा अन्य स्नातकोत्तर के विद्यार्थी सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन सत्र में प्रसिद्ध समाजशास्त्रीय एवं विद्वान प्रो .आन्द्रे बेंते के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया तथा दो मिनट का मौन रखा गया।

बालू लदे ट्रैक्टर की लापरवाही बनी हादसे की वजह, सड़क सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

केटी न्यूज। नावानगर

बसुदेवा थाना क्षेत्र के डुमरांवझ्र विक्रमगंज मुख्य पथ पर बिंदटोली गांव के समीप शुक्रवार देर शाम हुए सड़क हादसे ने एक बार फिर बालू लदे वाहनों की लापरवाही और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आमने-सामने की इस भीषण टक्कर में एक कार सवार पर एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए, जबकि हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नावानगर की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा बालू लदा ट्रैक्टर अचानक गलत लेन में आ गया, जिससे सामने से आ रही कार को संभलने का मौका नहीं मिल सका। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और यातायात भी बाधित रहा। घटना की सूचना मिलते ही बसुदेवा थाना पुलिस मौके पर

पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल नावानगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घायलों की पहचान दिल्ली के करोलबाग निवासी नाजिम, अब्दुल जाफर और अमरुद्दीन के रूप में हुई है। चिकित्सकों के अनुसार, कार चालक नाजिम को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि अन्य दो की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर बालू लदे ट्रैक्टर और ट्रकों की आवाजाही लगातार बढ़ी है, लेकिन न तो गति पर नियंत्रण है और न ही ओवरलोडिंग पर कोई सख्ती। कई बार शिकायत के बावजूद प्रशासन की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण ऐसे हादसे दोहराए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि फरार ट्रैक्टर चालक की पहचान कर ली गई है और वाहन को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भोजपुरी सिंगर अंकुश-राजा ने 11 बहनों की धूमधाम के साथ करवाई शादी, खेसारी लाल ने गिफ्ट में दिया 11 बाइक

आरा। भोजपुरी सिंगर अंकुश और राजा ने आज वह कर दिखाया जो आजतक किसी भोजपुरी कलाकार ने नहीं किया। दरअसल भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह के चुनाव प्रचार के दौरान भोजपुरी सिंगर अंकुश ने मंच से ऐलान किया था कि वह अपने बड़े भाई राजा की शादी में 11 बहनों की शादी धूमधाम के साथ अपने घर से करवायेंगे। आखिरकार आज वह शुभ दिन आ ही गया। अंकुश राजा ने आज अपने पैतृक गांव सासाराम स्थित नये घर में कुल 11 बहनों की शादी धूमधाम के साथ करवाई। राजा के तिलक के मौके पर यह भव्य आयोजन किया गया। शादी के बाद सभी 11 बहनों को पलंग, सोफा, फर्नीचर सहित कई घरेलू सामान गिफ्ट देकर खुशी-खुशी विदा किया। इस अनोखे शादी में भोजपुरी के सुपर स्टार और सिंगर खेसारी लाल यादव शामिल हुए। खेसारी लाल यादव ने अपने तरफ से 11 जोड़ों को 11 बाइक गिफ्ट के तौर पर दिया। जिसे पाकर सभी 11 दूल्हे राजा खुशी से झूम उठे। उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि उनकी शादी में खेसारी लाल शामिल होने पहुंचे हैं।

एक नजर

फीडर कार्य को लेकर विद्युत आपूर्ति आज रहेगी बाधित

बिक्रमगंज। नारायणपुर ग्रिड में मरम्मति का कार्य करने के कारण ग्रिड से निकले 33 केवी दावथ फीडर 10 से 12, नटवार फीडर 12 से 14 व तरारी फीडर 14 से 16 बजे तक 7 फरवरी दिन शनिवार यानी आज बंद रहेगा। इस संदर्भ में सहायक कार्यपालक अभियंता उपेंद्र सिंह ने बताया कि उक्त अवधि में ग्रिड द्वारा मरम्मती का कार्य किया जायेगा । सहायक विद्युत अभियंता आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज राज कुमार द्वारा उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने से पहले ही बिजली संबंधित अपना जरूरी कार्य निपटा लेंगे । मरम्मति के दौरान तकनीकी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बिजली आपूर्ति बंद करने का निर्णय लिया गया है । इससे कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं को सुझाव दिया है कि आवश्यक घरेलू और व्यावसायिक कार्य निर्धारित समय से पहले ही निपटा लें ताकि किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस रखरखाव कार्य का उद्देश्य लाइन व उपकरणों की कार्य क्षमता को दुरुस्त रखना है ताकि निर्बाध और सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

आर्म्स एक्ट का अभियुक्त गिरफ्तार

राजपुर। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के मामले में एक प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। राजपुर थानाध्यक्ष उमूस सलमा ने बताया कि कांड संख्या 134/23 के आलोक में सुसंगत धारा 307 आईपीसी एंड आर्म्स एक्ट के प्राथमिकी अभियुक्त उमा सिंह पिता प्रभुनाथ सिंह ग्राम राजनडीह थाना राजपुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त को जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

पूर्व कांड के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

राजपुर। राजपुर पुलिस ने पूर्व कांड के एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । थानाध्यक्ष उमूस सलमा ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत बरना निवासी मानिकचंद शाह के पुत्र धनंजय शाह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध राजपुर थाना कांड संख्या 163/25 के आलोक में सुसंगत धारा 109 तहत मामला दर्ज था।

47 लीटर शराब के साथ एक धंधेबाज गिरफ्तार, तीन फरार

दिनारा । दिनारा पुलिस ने अलग-अलग जगह से देसी एवं अंग्रेजी शराब बरामद की है। मामले में पुलिस ने एक कारोबारी को धर दबोचा। लेकिन मामले में संलिप्त अन्य तीन कारोबारी भागने में सफल रहा । दिनारा थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी समीर कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने दिनारा से 12 लीटर देसी शराब के साथ दिनारा निवासी चंद्रमा राम के पुत्र मंटू कुमार को गिरफ्तार कर लिया । उक्त मामले में एक अन्य कारोबारी पुलिस की गिरफ्त से भाग निकला । तो वहीं दूसरी ओर पुलिस ने थाना क्षेत्र के नौवा गांव से पुआल में छुपा कर रखे गए चार पेटी जिसमें कुल मात्रा 35 लीटर शराब बरामद की है । जानकारी के अनुसार उक्त स्थल से दो पेटी देसी एवं दो पेटी अंग्रेजी शराब पुलिस ने बरामद की है । लेकिन उक्त मामले में पुलिस की गिरफ्त से दो कारोबारी भाग निकला । उन्होंने बताया कि फरार तीनों कारोबारी को पहचान करते हुए संबंधित मामला दर्ज कर लगातार छापेमारी की जा रही है। मामले में संलिप्त फरार तीनों कारोबारी को बहुत जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस ने तीन अपहृतों को किया बरामद

राजपुर। राजपुर पुलिस ने अलग- अलग मामलों में अपहत तीन लोगों को सकुशल बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार केस नंबर 7/26 में अपहता अमरपुर,केस नंबर 51/24 में अपहता राजपुर तथा केस नंबर 3/25 में अपहत राजनडीह निवासी को पुलिस ने सुरक्षित ढूंढ निकाला है। पुलिस द्वारा तीनों मामलों में आवश्यक अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष उमूस सलमा ने बताया कि अपहतों की बरामदगी के बाद संबंधित मामलों की अग्रसर जांच जा रही है ।

अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर जब्त

राजपुर । पुलिस ने अवैध लाल बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। राजपुर थानाध्यक्ष उमूस सलमा ने बताया कि पुलिस ने अवैध लाल बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि जब्त ट्रैक्टर के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए विभागीय अधिकारी के पास रिपोर्ट भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि जब्त ट्रैक्टर को स्थानीय पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया है।

नशे में धुत काराकाट थाने का चौकीदार गिरफ्तार

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरा गांव निवासी चौकीदार उमेश यादव पिता स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह यादव को नशे की हालत में उत्पाद विभाग ने रंगे हाथों पड़कर जेल भेज दिया है। उत्पाद विभाग के सब इंस्पेक्टर अजीत कुमार ने बताया कि काराकाट थाने में कार्यरत चौकीदार उमेश यादव को नशे की हालत में गिरफ्तार किया गया तथा उन्हें जेल भेज दिया गया है।

समर्थ पोर्टल से नोडल ऑफिसर को दी गई ट्रेनिंग

आरा। समर्थ पोर्टल के तहत वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में शुक्रवार को कॉलेजों के नोडल ऑफिसरों को ट्रेनिंग दी गई। समर्थ पोर्टल के विश्वविद्यालय नोडल ने बताया कि ट्रेनिंग में लीव मॉडल और पेरोल मॉड्यूल के बारे में बताया गया। विश्वविद्यालय में समर्थ पोर्टल के तहत सभी मॉड्यूल के लिए नोडल अफसर को भी तय कर दिए गए हैं।

शहीद सैनिकों के आश्रितों को बिहार में मिलेगी सरकारी जमीन, नई बंदोबस्ती प्रक्रिया लागू

एजेंसी। पटना

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने शहीद सैनिकों के आश्रितों के साथ सरकारी जमीन की बंदोबस्ती को लेकर नई और स्पष्ट प्रक्रिया निर्धारित कर दी है। विभाग स्तर पर गठित समिति के विचार-विमर्श के बाद जारी निदेशों के अनुसार, युद्ध में वीरगति प्राप्त सैनिकों के आश्रितों को गृह जिला के गृह प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र में कृषि कार्य के लिए 1 एकड़ या आवासीय उपयोग के लिए 5 डिसमिल सरकारी जमीन बंदोबस्त की जाएगी। सचिव जय सिंह द्वारा जारी पत्र के अनुसार, यह सुविधा उन सैनिकों के आश्रितों को मिलेगी, जिन्होंने कम-से-कम छह माह तक लगातार सैनिक सेवा की हो और कार्यरत रहते हुए युद्ध में शहादत पाई हो। ऐसे मामलों में आश्रितों से सलामी ली जाएगी, लेकिन पाँच वर्षों तक वार्षिक लगान नहीं लिया जाएगा। निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि केवल सेना ही नहीं, बल्कि युद्धकाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अन्य बलों जैसे बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, बिहार मिलिट्री पुलिस, टेरिटोरियल आर्मी, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, बॉर्डर स्काउट्स, बीआरएफ, लोक सहायक सेवा, एनसीसी, होमगार्ड्स और असम राइफल्स के जवान यदि युद्ध में वीरगति प्राप्त करते हैं, तो उनके आश्रित भी इसी प्रावधान के तहत भूमि बंदोबस्ती के पात्र होंगे। हालांकि, इसके लिए सेलर्स, सोल्जर्स एवं एयरमेन बोर्ड की अनुशंसा और न्यूनतम छह माह की संतोषजनक सेवा का प्रमाण-पत्र अनिवार्य होगा। विभाग ने यह शर्त भी रखी है कि भूमि बंदोबस्ती से पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि आश्रित बिहार राज्य का निवासी हो और उसके पास आवास हेतु पहले से निजी जमीन न हो। यदि निजी आवासीय जमीन उपलब्ध पाई जाती है, तो बंदोबस्ती नहीं की जाएगी। समाहर्ता को पूर्ववत ही इस प्रकार की भूमि बंदोबस्ती का अधिकार रहेगा, लेकिन यह केवल ग्रामीण क्षेत्र की सरकारी, विवादमुक्त जमीन पर ही लागू होगा। साथ ही, यह भी अनिवार्य किया गया है कि चयनित भूमि भूदान, भू-हदबंदी, सैरात, कब्रिस्तान, श्मशान, धार्मिक स्थलों, अतिक्रमण और न्यायालयीन विवाद से पूरी तरह मुक्त हो। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि इस आदेश की तिथि से पूर्व सैनिकों के साथ भूमि बंदोबस्ती से संबंधित सभी पुराने आदेश और पत्र स्वतः प्रभावहीन माने जाएंगे। नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार शहीद सैनिकों और उनके परिवारों के सम्मान के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। नई बंदोबस्ती प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि युद्ध में वीरगति प्राप्त करने वाले जवानों के आश्रितों को उनके गृह जिले में सम्मानपूर्वक जीवनयापन के लिए भूमि उपलब्ध हो। हमने स्पष्ट, पारदर्शी और व्यवहारिक मानक तय किए हैं, ताकि पात्र परिवारों को बिना अनावश्यक विलंब के तत्काल लाभ मिल सके। यह निर्णय हमारे सैनिकों के प्रति कृतज्ञता और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशीलता का प्रतीक है।

बिजली बिल बकाया रखने वाले आठ उपभोक्ताओं पर केस दर्ज

बकाया भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्ताओं की होगी नीलामी : राजकुमार

केटी न्यूज /रोहतास

बिजली बिल बकाया नही जमा करने वाले उपभोक्ताओं के विद्युत अधिकारयों ने कसी कम। जिसे लेकर विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रशाखाओं में राजस्व वसूली अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें बिजली चोरी को लेकर जुमार्ना एवं प्राथमिकी दर्ज भी की जा रही है। इस संदर्भ में सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि बकायेदार उपभोक्ताओं के विरुद्ध विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है। जो बकायेदार उपभोक्ता विद्युत विपत्र की राशि जमा नहीं किये हैं उनपर नीलामवाद की कार्रवाई की गई है। जिसमें दिनारा निवासी धीरज कुमार, पिता बलिराम सिंह पर 26673 रुपए, कमलेश सिंह,पिता केशव प्रसाद सिंह 45566 रुपए, रीना भारती,पति अनंत राम पर 21337, विनोद शर्मा, पिता गणेश शर्मा पर 57957, बीरेंद्र प्रसाद, पिता गंगा दयाल 162939 रुपए, इंद्रदेव राम,पिता गौरी राम पर 48950, मुंन्द्रिका सिंह, पिता रामपुलिस सिंह पर 209618 रुपए, देव नारायण साह पिता कटावारू साह पर 47488 बकाया राशि रहने के कारण बिहार और उड़ीसा लोक मांग वसूली अधिनियम 1914 के तहत 8 बकायेदार उपभोक्ताओं पर नीलामवाद की त्वरित कार्रवाई करने हेतु नीलामपत्र पदाधिकारी के कार्यालय में तथ्य विवरणी उपलब्ध करा दी गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना में बड़ा फजीवाड़ा : बिहार में 387 लाभार्थी पैसा लेकर हो गये गायब

एजेंसी। पटना

बिहार में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 387 लाभार्थी राशि लेने के बाद घर बनाए बिना गायब हो गए हैं। विभाग ने कानूनी कार्रवाई और रिकवरी की प्रक्रिया शुरू की है। बिहार में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत राशि लेने के बाद 387 लाभार्थी जिले से गायब पाए गए हैं। इन लाभार्थियों ने न तो अब तक अपने घर का निर्माण शुरू किया है और न ही विभाग द्वारा भेजे गए

नोटिस का कोई जवाब दिया है। अब ग्रामीण विकास विभाग ने इनकी तलाश तेज कर दी है। यह मामला तब सामने आया जब विभागीय कर्मचारियों ने भौतिक सत्यापन के दौरान लाभार्थियों के दिए गए पते पर जाकर जांच की। कई गांवों और घरों में कोई जानकारी नहीं मिलने पर विभाग ने नोटिस भेजे, लेकिन अब तक किसी का जवाब नहीं मिला है। गायब लाभार्थियों में से 77.26 प्रतिशत (299 लाभुक) सिर्फ चार प्रखंडों पारू, औराई, कटरा और गायघाट से हैं। पारू प्रखंड में सबसे अधिक 92 लाभार्थी गायब पाए गए। औराई में 75 लाभुक, कटरा में 67 लाभुक और गायघाट में 65 लाभुक गायब मिले। इसके अलावा शेष 88 लाभुक सकरा, मड़वन, बंदरा, साहेबगंज, कुढ़नी, मीनापुर और मोतीपुर प्रखंडों से संबंधित हैं। ग्रामीण विकास विभाग के आंकड़ों के अनुसार 232 लाभार्थियों (लगभग 60%) का चयन वित्तीय वर्ष 2020-21 में हुआ था। 97 लाभुक (25%) का चयन 2019-20 में और शेष 15% लाभुक 2018-19 या उससे पहले चयनित किए गए थे। करीब 32 प्रतिशत (124 लाभुक) रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में पलायन कर चुके हैं। 50 से अधिक लाभुकों की मृत्यु हो चुकी है, लेकिन अब तक उनके नाम सूची से हटाए नहीं जा सके हैं। डीआरडीए निदेशक संजय कुमार ने बताया कि नोटिस का जवाब नहीं देने वाले लाभार्थियों के खिलाफ अब नाम सूची से हटाने, राशि की रिकवरी, एफआईआर दर्ज कराने और अन्य कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

बिहार कैबिनेट बैठक : कुल 17 प्रस्तावों पर लगी नीतीश सरकार की मुहर, प्रवासी मजदूरों के लिए लिया गया ऐतिहासिक निर्णय

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने शुक्रवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में लोक-कल्याण से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर अपनी मुहर लगा दी है। कुल 17 एजेंडों को मंजूरी दी गई, जिनमें प्रवासी मजदूरों के हित में लिया गया फैसला सबसे बड़ा और ऐतिहासिक माना जा रहा है। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य का विकास और आम जनता की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस बैठक में लिए गए निर्णयों का सीधा असर उन लाखों परिवारों पर पड़ेगा जो रोजी-रोटी के लिए राज्य से बाहर पलायन करते हैं। कैबिनेट ने प्रवासी मजदूरों के सम्मान और सुरक्षा को लेकर एक बेहद संवेदनशील निर्णय लिया है। अब अगर किसी भी प्रवासी बिहारी मजदूर की मृत्यु राज्य के बाहर या देश के बाहर हो जाती है, तो उनके पार्थिव शरीर को सरकारी खर्च पर उनके पैतृक गांव तक पहुंचाया जाएगा। यह उन परिवारों के लिए एक बड़ी राहत है, जिन्हें ऐसी दुखद घड़ी में आर्थिक और मानसिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। इतना ही नहीं, सरकार ने यह भी तय किया है कि यदि कोई मजदूर बाहर किसी दुर्घटना का शिकार होता है, तो उसके इलाज का पूरा खर्च भी अब बिहार सरकार उठाएगी। यह कदम मजदूरों और उनके परिवारों को एक बड़ा सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में, राज्य सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों के परिजनों को दी जाने वाली मुआवजे की राशि को दोगुना कर दिया है। इस बढ़ोतरी से पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता मिल सकेगी और वे इस मुश्किल समय का सामना बेहतर तरीके से कर पाएंगे। यह फैसला सड़क सुरक्षा के प्रति सरकार की गंभीरता को भी दशार्ता है। सरकार ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाने और नौकरशाही पर लगाम कसने के उद्देश्य से भी एक बड़ा कदम उठाया है। अब जिलों में होने वाली महत्वपूर्ण बैठकों में सांसद और विधायकों के प्रतिनिधि भी हिस्सा ले सकेंगे। इस फैसले से विकास योजनाओं के कार्यान्वयन में जनप्रतिनिधियों की भूमिका बढ़ेगी और जनता की आवाज को अधिक प्रभावी ढंग से सुना जा सकेगा। इसके साथ ही, शहरी विकास को गति देने के लिए नगर परिषद में स्थायी सशक्त समिति को लेकर भी एक निर्णायक फैसला लिया गया है, जिससे शहरी क्षेत्रों में विकास कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है।

प्रवासी मजदूरों के लिए ऐतिहासिक फैसला

कैबिनेट ने प्रवासी मजदूरों के सम्मान और सुरक्षा को लेकर एक बेहद संवेदनशील निर्णय लिया है। अब अगर किसी भी प्रवासी बिहारी मजदूर की मृत्यु राज्य के बाहर या देश के बाहर हो जाती है, तो उनके पार्थिव शरीर को सरकारी खर्च पर उनके पैतृक गांव तक पहुंचाया जाएगा। यह उन परिवारों के लिए एक बड़ी राहत है, जिन्हें ऐसी दुखद घड़ी में आर्थिक और मानसिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। इतना ही नहीं, सरकार ने यह भी तय किया है कि यदि कोई मजदूर बाहर किसी दुर्घटना का शिकार होता है, तो उसके इलाज का पूरा खर्च भी अब बिहार सरकार उठाएगी। यह कदम मजदूरों और उनके परिवारों को एक बड़ा सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करेगा।

सड़क हादसों के पीड़ितों को अब दोगुनी मदद

एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में, राज्य सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों के परिजनों को दी जाने वाली मुआवजे की राशि को दोगुना कर दिया है। इस बढ़ोतरी से पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता मिल सकेगी और वे इस मुश्किल समय का सामना बेहतर तरीके से कर पाएंगे। यह फैसला सड़क सुरक्षा के प्रति सरकार की गंभीरता को भी दशार्ता है।

प्रशासनिक सुधार और पारदर्शिता

सरकार ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाने और नौकरशाही पर लगाम कसने के उद्देश्य से भी एक बड़ा कदम उठाया है। अब जिलों में होने वाली महत्वपूर्ण बैठकों में सांसद और विधायकों के प्रतिनिधि भी हिस्सा ले सकेंगे। इस फैसले से विकास योजनाओं के कार्यान्वयन में जनप्रतिनिधियों की भूमिका बढ़ेगी और जनता की आवाज को अधिक प्रभावी ढंग से सुना जा सकेगा। इसके साथ ही, शहरी विकास को गति देने के लिए नगर परिषद में स्थायी सशक्त समिति को लेकर भी एक निर्णायक फैसला लिया गया है, जिससे शहरी क्षेत्रों में विकास कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है।

एक नजर

पटना नीट कांड के बाद सख्ती: भागलपुर में गर्ल्स हॉस्टल की जांच शुरू, सड़क पर उतरा प्रशासन

पटना । पटना में नीट की छात्रा के साथ हॉस्टल में हुए जघन्य अपराध के बाद पूरे बिहार में गर्ल्स हॉस्टल की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे थे। मीडिया द्वारा हॉस्टल की सुरक्षा की पोल खोलने के बाद प्रशासन पर दबाव बढ़ा है और अब इसका असर जमीन पर साफ देखने को मिल रहा है। बिहार पुलिस मुख्यालय और गृह मंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर राज्यभर के गर्ल्स हॉस्टल के लिए सख्त नियमावली तैयार की गई है। इसके तहत हॉस्टल की नियमित जांच अनिवार्य कर दी गई है। भागलपुर में इस आदेश के बाद प्रशासन खुद सड़कों पर उतरा। एसएम कॉलेज इलाके में एएसपी सायं रजा और डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गर्ल्स हॉस्टल पहुंचकर संचालकों से सीधी बातचीत की और उन्हें नई नियमावली की कॉपी सौंपी। पुलिस ने हॉस्टल संचालकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि छात्राओं की सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी हॉस्टलों में सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त लाइटिंग, मजबूत दरवाजे और ताला अनिवार्य किए गए हैं साथ ही विजिटर रजिस्टर मेंटेन करना, पुरुषों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध और छात्राओं व स्टाफ की रात्रिकालीन उपस्थिति के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम लागू करने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा प्रत्येक हॉस्टल संचालक को संबंधित थाने में एक पंजी अनिवार्य रूप से संधारित करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें छात्रावास का पूरा विवरण दर्ज होगा। पुलिस सत्यापन, वार्डन की जिम्मेदारी तय करने के साथ ही इमरजेंसी और हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं हॉस्टल संचालकों ने पुलिस की इस पहल का स्वागत किया है।

राजगीर में बना बिहार का पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, आईपीएल मैचों की उम्मीद

पटना । बिहार के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। नालंदा जिले के ऐतिहासिक और पर्यटन नगरी राजगीर में राज्य का पहला अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है। करीब 1000 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस भव्य स्टेडियम को बिहार के खेल विकास की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है। अब तक पटना का मोइनुल हक स्टेडियम ही अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता था, लेकिन वहां बहुत कम बड़े मैच आयोजित हो पाए थे। राजगीर में बने इस नए स्टेडियम से उम्मीद है कि बिहार को खेल जगत में नई पहचान मिलेगी। यह स्टेडियम लगभग 90 एकड़ क्षेत्रफल में फैला हुआ है और इसमें एक साथ करीब 45 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता है। दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्टेडियम में आधुनिक बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा स्टेडियम का पवेलियन पांच मंजिला बनाया गया है, जिसमें खिलाड़ियों, मैच अधिकारियों और वीआईपी मेहमानों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। स्टेडियम के डिजाइन और संरचना को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। स्टेडियम की सबसे बड़ी खासियत इसका मैदान है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैचों के अनुरूप विकसित किया गया है। यहां जल निकासी की बेहतरीन व्यवस्था की गई है, जिससे बारिश के बाद भी मैदान बहुत जल्दी खेलने योग्य बन सकेगा। मैदान के चारों ओर हरियाली विकसित की गई है, जिससे खिलाड़ियों और दर्शकों को बेहतर वातावरण मिल सके। इस स्टेडियम का निर्माण ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की तर्ज पर किया गया है, जो इसकी भव्यता और आधुनिकता को दर्शाता है। खिलाड़ियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस स्टेडियम में कुल 13 पिचें तैयार की गई हैं। इनमें से 7 पिचें मोकामा की काली मिट्टी से बनाई गई हैं, जो तेज गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों के लिए अनुकूल मानी जाती हैं। वहीं 6 पिचें महाराष्ट्र की लाल मिट्टी से तैयार की गई हैं, जो खास तौर पर स्पिन गेंदबाजों के लिए बेहतर मानी जाती हैं। अलग-अलग प्रकार की पिच होने से यहां विभिन्न प्रारूपों के मैच आयोजित करना आसान होगा। डे-नाइट मैचों के आयोजन को ध्यान में रखते हुए स्टेडियम में चार हाई मास्ट फ्लड लाइट्स लगाई गई हैं। इन फ्लड लाइट्स की मदद से रात में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैच आयोजित किए जा सकेंगे। इससे दर्शकों को दिन और रात दोनों समय मैच देखने का अवसर मिलेगा।

बिहार में बड़ा हादसा : घर में घुसी तेज रफ्तार स्कूल बस हादसे में दो बच्चों की मौत, प्रेग्नेंट महिला की हालत गंभीर

एजेंसी। पटना

गोपालगंज जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के डुमरिया वार्ड नंबर 14 में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक स्कूल बस अचानक नियंत्रण से बाहर हो गई और सड़क किनारे बने एक घर की दीवार तोड़ते हुए सीधे घर के अंदर जा घुसी। इस हादसे में घर के अंदर खेल रहे दो छोटे बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। मृत बच्चों की पहचान पांच साल के आरिफ और छह साल के इम्तियाज के रूप में हुई है। हादसे के समय घर में मौजूद सात महीने की गर्भवती नूरजहां भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत गोपालपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन गंभीर हालत के कारण उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही गोपालपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्कूल बस को जब्त कर लिया। दोनों बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बस तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही थी, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और बस चालक की भूमिका की भी पूरी तरह जांच की जाएगी। दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चार जैन सैलानियों की रहस्यमयी मौत इलाके में दहशत, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी। पटना

बिहार के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल राजगीर में शुक्रवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। दिगंबर धर्मशाला के एक कमरे में चार जैन सैलानियों के शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतकों में एक पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, यह दुखद घटना राजगीर थाना क्षेत्र की दिगंबर धर्मशाला में घटी। मृतक जैन धर्म के अनुयायी थे और 31 जनवरी को धार्मिक यात्रा पर राजगीर आए थे। स्थानीय लोगों और अन्य पर्यटकों में चार शवों के मिलने के बाद भय और दहशत का माहौल फैल गया। गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस कमरे को पूरी तरह से सील कर दिया। किसी को भी कमरे के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। डीएसपी राजगीर और राजगीर थाना अध्यक्ष के साथ भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। घटनास्थल से सबूत जुटाने के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम भी बुलाई गई। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और शवों के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

पटना में गोलीकांड, कबाड़ी दुकानदार हुआ घायल पुलिस ने तीन आरोपितों की तलाश किया शुरू

एजेंसी। पटना

पटना के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के पुनाईचक इलाके में गुरुवार देर रात कबाड़ी दुकानदारों के बीच पुरानी रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने गोली चला दी, जिससे बदरी आलम नामक दुकानदार की बांह में गोली लग गई। आनन-फानन में उसे नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।घटना के अनुसार, इलाके के दो कबाड़ी दुकानदारों के बीच पहले से किसी न किसी बात को लेकर मनमुटाव चल रहा था। गुरुवार की रात यह विवाद अचानक उग्र हो गया। गाली-गलौज के बाद मारपीट शुरू हुई और इसी दौरान एक पक्ष ने हथियार निकालकर गोली चला दी। गोली की आवाज सुनते ही आसपास के लोग सहम गए और थोड़ी ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, बदरी आलम गोली लगने के बाद तुरंत गिर पड़े और वहां मौजूद लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुँचाया। चिकित्सकों ने बताया कि गोली बांह में लगी है और उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है। अस्पताल में उनका इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही शास्त्रीनगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि दोनों पक्षों के बीच पहले से ही किसी बात को लेकर विवाद और आपसी रंजिश चल रही थी।एसडीपीओ सचिवालय साकेत कुमार ने बताया कि देर रात विवाद और गोली चलने की सूचना पर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुँची। उन्होंने कहा कि एक युवक के बांह में गोली लगने की पुष्टि हो चुकी है और संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना में शामिल आरोपितों की पहचान कर ली गई है और तीन आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। साथ ही, यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वारदात में इस्तेमाल हथियार कहां से आया। इस घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है। लोगों में डर और अफरातफरी का माहौल देखा गया। पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे और किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। स्थानीय लोगों ने पुलिस से इस मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि रंजिशों को समय रहते नहीं सुलझाया गया, तो इस तरह की घटनाएँ भविष्य में और गंभीर रूप ले सकती हैं। पुलिस प्रशासन ने भी इस दिशा में कड़ी निगरानी शुरू कर दी है और आरोपी कबाड़ी दुकानदारों की तलाश जारी है।

बिहार में बदला मौसम का मिजाज : बारिश, घना कोहरा और बढ़ता एक्यूआई अलर्ट जारी

एजेंसी। पटना

मौसम विभाग के अनुसार बिहार में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। कभी धूप, कभी बादल और कहीं-कहीं बारिश की संभावना ने लोगों को सतर्क कर दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (क्टऊ) के ताजा पूवार्नुमान के अनुसार राज्य के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जबकि सुबह और रात के समय घना कोहरा जनजीवन को प्रभावित कर सकता है। पटना, गया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, दरभंगा, पूर्णिया, अररिया, कटिहार, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा और सुपौल समेत कई जिलों में बादलों की आवाजाही बनी हुई है। मौसम

वैज्ञानिकों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी सिस्टम के प्रभाव से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश की गतिविधियां देखी जा सकती हैं। इससे तापमान में मामूली गिरावट आने की संभावना है, खासकर रात के समय ठंड का असर बढ़ सकता है। सुबह और देर रात के समय घना कोहरा कई जिलों में दृश्यता कम कर सकता है। खासतौर पर उत्तर और उत्तर-पूर्व बिहार के जिलों में कोहरे का असर ज्यादा देखने को मिल सकता है। सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ सकती है, जिससे यात्रियों और स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे और हवाई सेवाओं पर भी कोहरे का असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। मौसम के साथ-साथ वायु गुणवत्ता भी चिंता का विषय बनती जा रही है। बिहार के कुछ शहरी इलाकों में अदक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) मध्यम से खराब श्रेणी में पहुंच गया है। पटना, मुजफ्फरपुर, गया और भागलपुर जैसे शहरों में प्रदूषण का स्तर बढ़ने से सांस संबंधी मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। डॉक्टरों का कहना है कि खराब हवा से आंखों में जलन, खांसी, सांस फूलने और एलर्जी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है, खासकर सुबह के समय जब कोहरा अधिक रहता है। वाहन चालकों को कम गति से चलने, फॉग लाइट का इस्तेमाल करने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। किसानों के लिए भी यह मौसम महत्वपूर्ण है। बारिश से जहां कुछ फसलों को फायदा मिल सकता है, वहीं अत्यधिक नमी से सब्जियों और दलहन फसलों को नुकसान की आशंका भी बनी हुई है। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को मौसम पूवार्नुमान के अनुसार खेतों में आवश्यक कदम उठाने की सलाह दी है। आने वाले दिनों में मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 से 72 घंटों में राज्य के कई हिस्सों में हल्की बारिश जारी रह सकती है और कोहरे का असर भी कम होने के आसार नहीं हैं। ऐसे में लोगों को मौसम अपडेट पर नजर बनाए रखने और स्वास्थ्य व सुरक्षा संबंधी जरूरी सावधानियां अपनाने की जरूरत है। कुल मिलाकर, बिहार में बदलता मौसम आम जनजीवन को प्रभावित कर रहा है। बारिश, कोहरा और बढ़ता प्रदूषण–तीनों ही स्थितियों में सतर्कता बेहद जरूरी है ताकि किसी भी तरह की असुविधा या स्वास्थ्य जोखिम से बचा जा सके।

बिहार पुलिस महकमे में शर्मनाक घटना दरोगा ने चाकू से सिपाही पर किया हमला

एजेंसी। पटना

भागलपुर जिले के नवगछिया में शुक्रवार सुबह पुलिस विभाग के भीतर एक शर्मसार करने वाली घटना सामने आई। बताया जा रहा है कि एक दरोगा और पीटीसी सिपाही के बीच विवाद अचानक हिंसक रूप ले लिया, जिसमें दरोगा ने पीटीसी सिपाही विशाल कुमार पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल सिपाही को तुरंत अनुमंडल अस्पताल नवगछिया में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे भागलपुर स्थित मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया।रास्ते में विक्रमशिला सेतु पर भीषण ट्रैफिक जाम के कारण एंबुलेंस फंस गई, जिससे घायल की स्थिति और बिगड़ने लगी। इस बीच स्थानीय लोगों की तत्परता से रास्ता खाली कराया गया, और एंबुलेंस समय पर अस्पताल पहुंच सकी। इस घटना को लेकर पीटीसी सिपाही विशाल कुमार ने बताया कि सुबह दरोगा के साथ हल्का-फुल्का मजाक चल रहा था, तभी अचानक दरोगा ने चाकू से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गया। इसके बाद मुझे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।